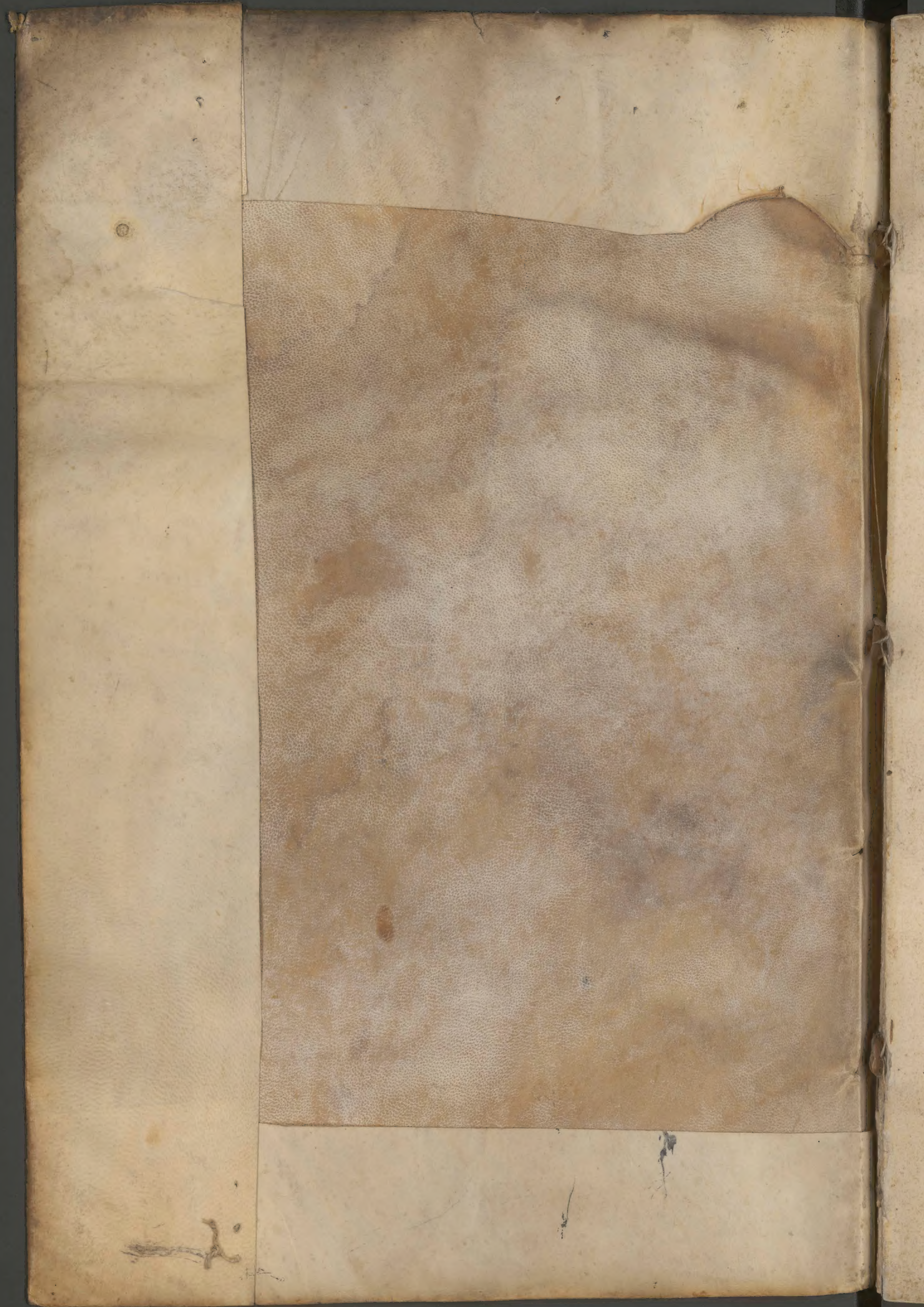


Ms. graec.

Fol. 7.





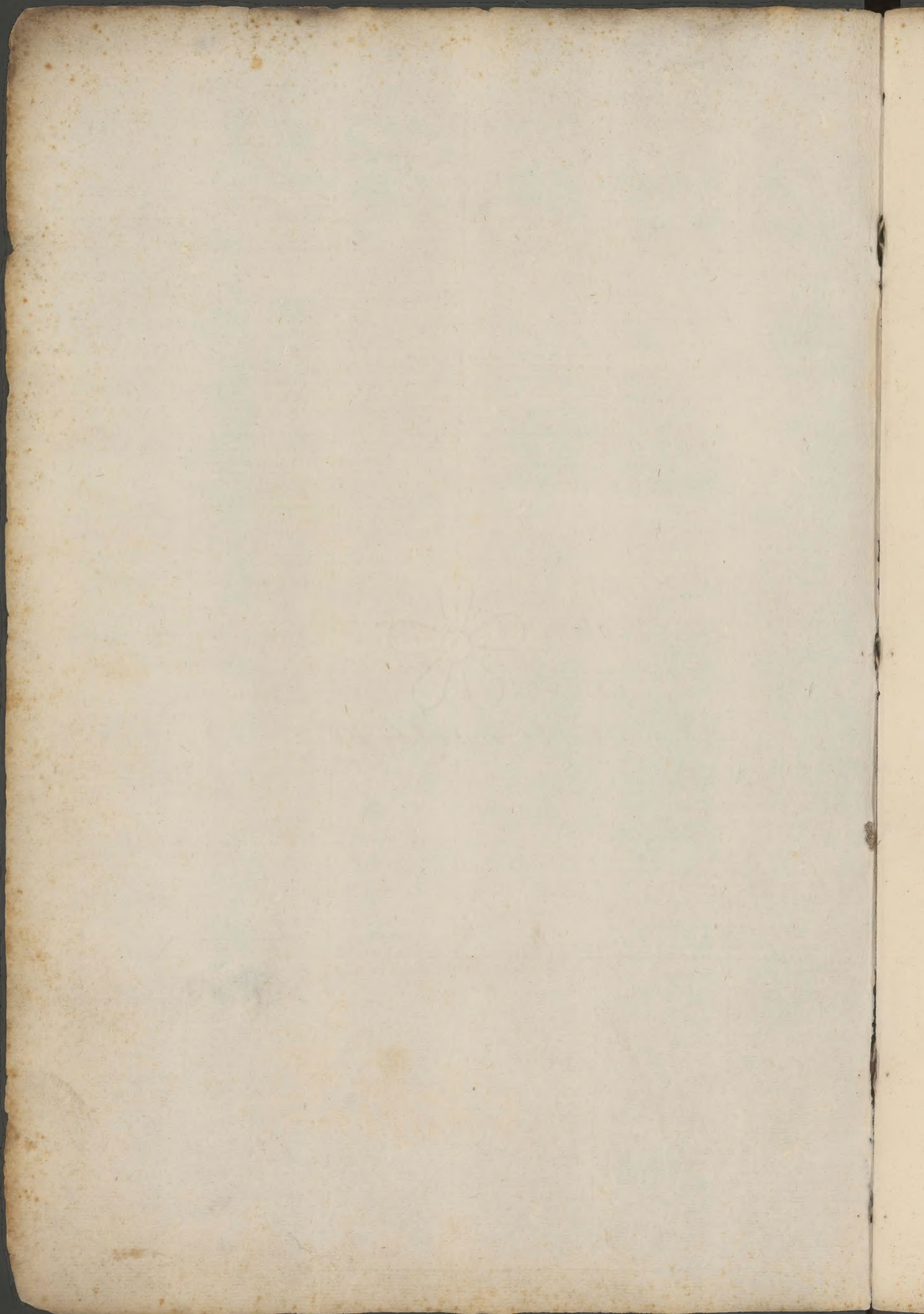




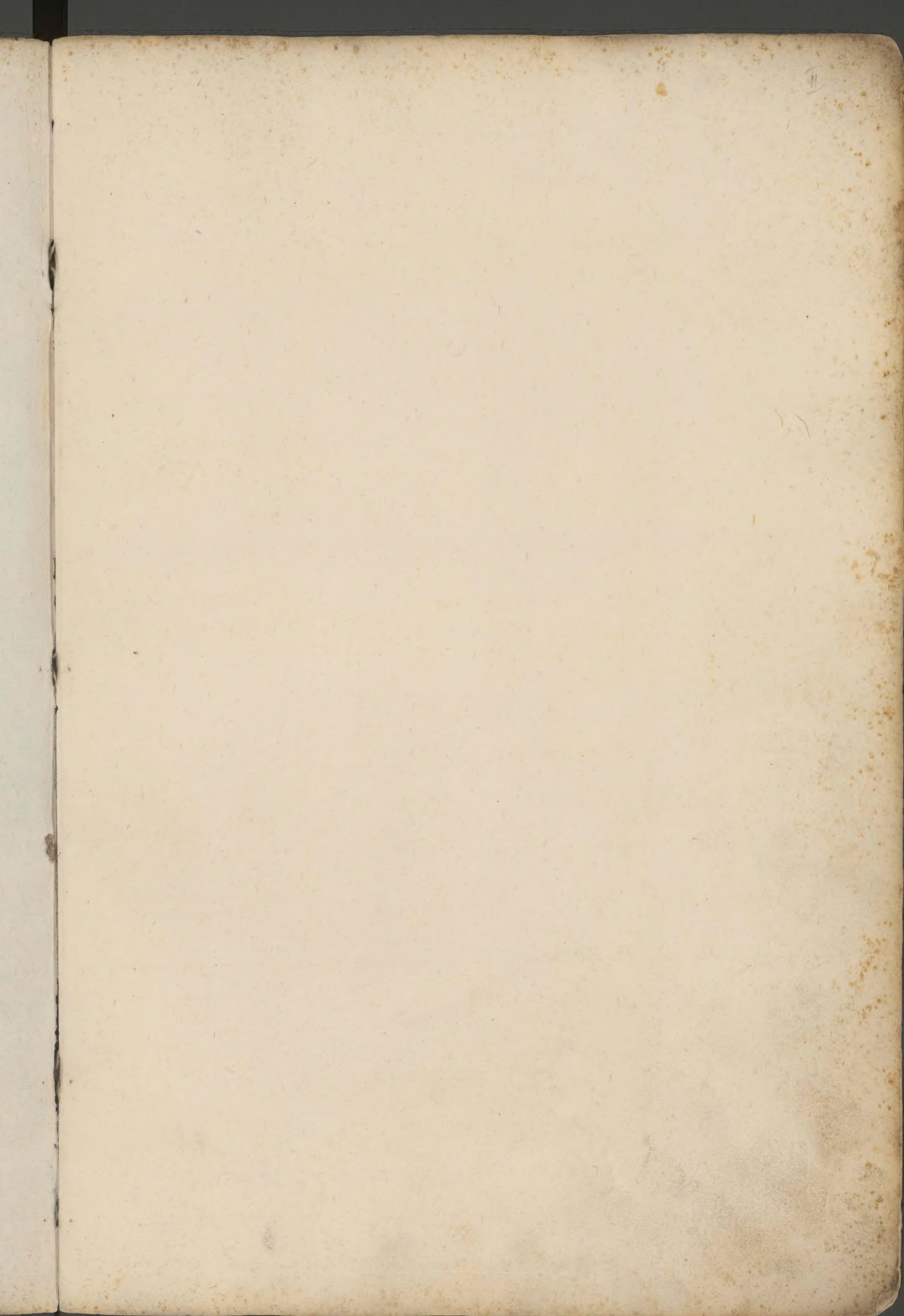
Co. Gr.  
1  
[Actuarij Medici quidam.]

Johannis, Zachariae fil.  
Actuarii  
(vulgo simpliciter dicti)  
de Urinis libri VII.

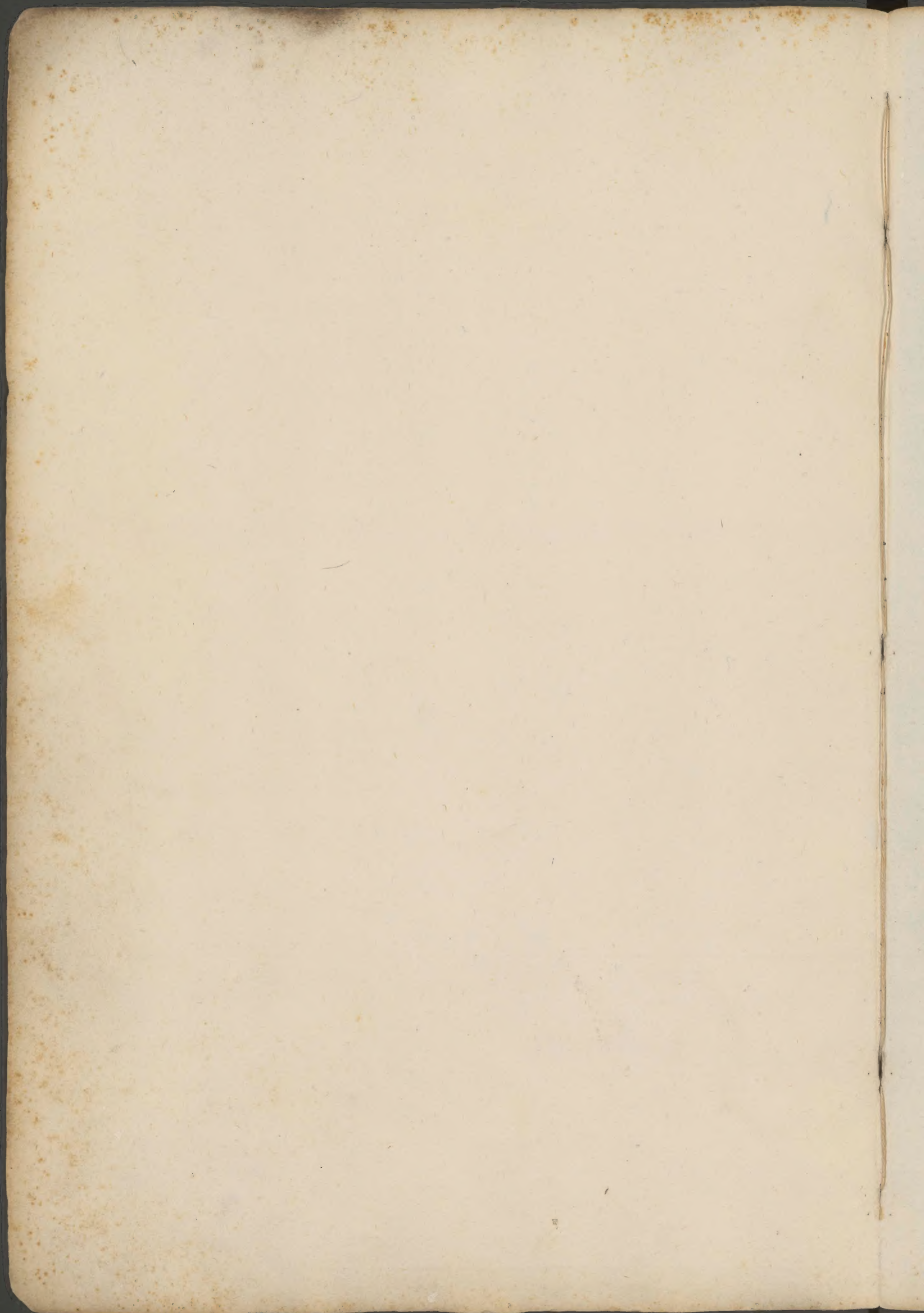




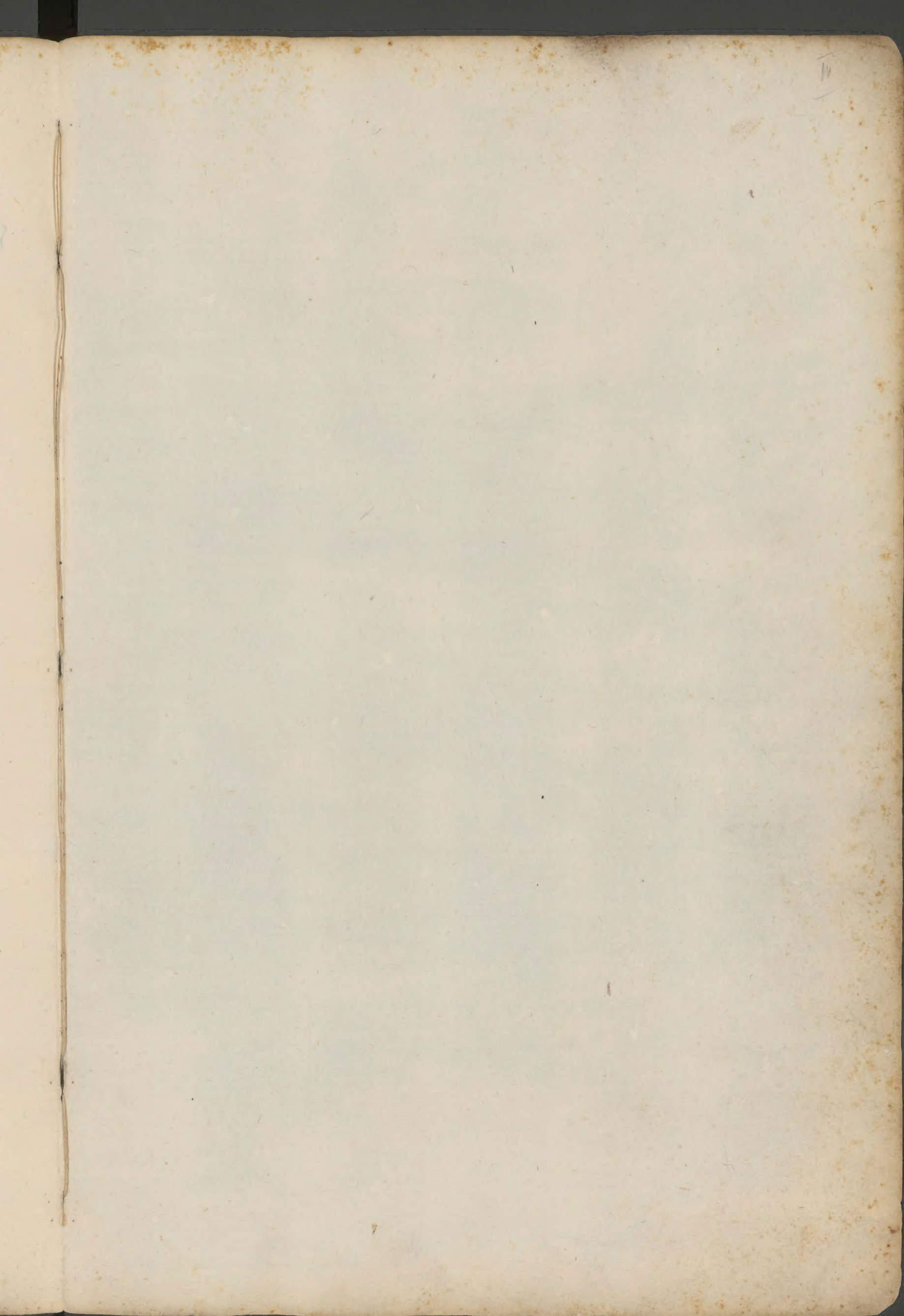




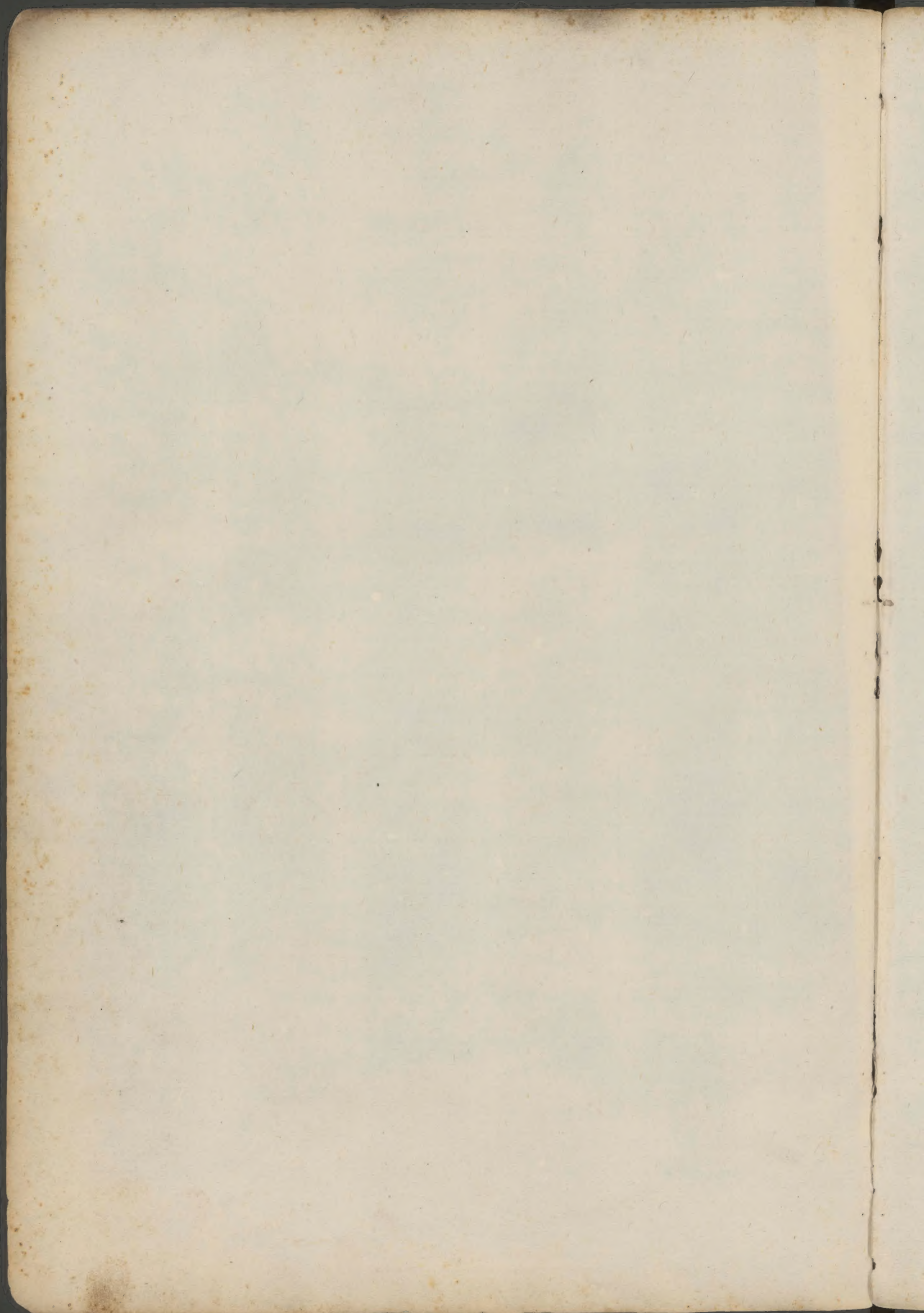








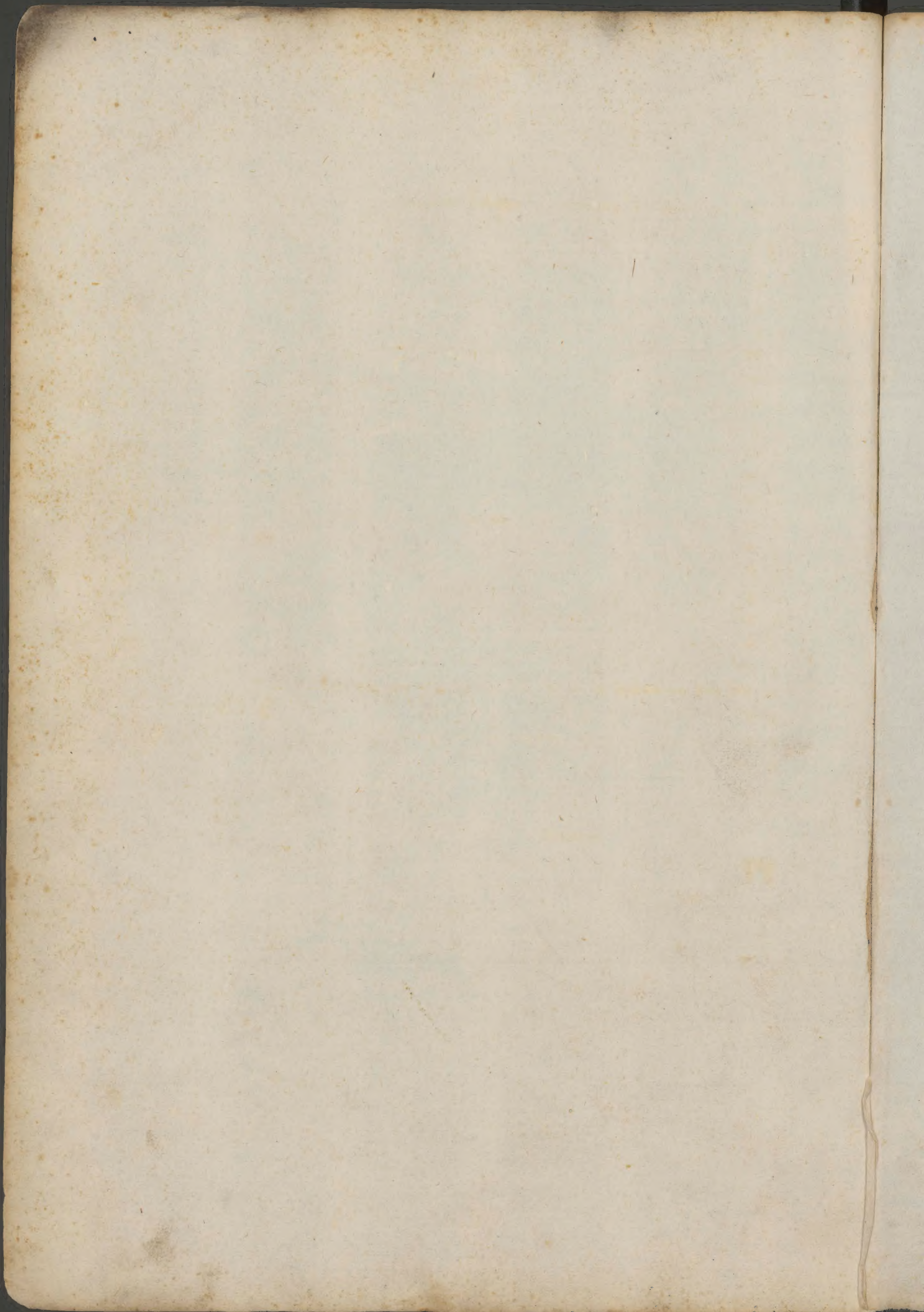


















ὅτι μακάριος ὁ ἐν τῶν ὄντων εὐνοετής

οὐκ οὐδέ τις παλαιὴν τὴν μετρίαν ἔχεν τῶν τῆς πραγματικῆς καὶ τοῦ:

Επὶ γὰρ τοῖς πρὸ ἡμῶν περὶ τῶν τοιαύτων σοφῶς βραχύ τι περὶ τοῦ ἀκούειν ὅπως ἐγγύθεν.

μακροσ.  
 ἀγέλανδρος.  
 θεοφιλος.







Λορὸς καὶ ἡ αὐτῆς τὸ αἶμα οὐδὲ παχύτερον, καὶ μὴ ραδίως τὰ μικρὰ τῶν φλεβῶν διαπε-  
 ρουμένον. ὁ δ' ὁρῶντος οὗτος χῆμος, λεπτός τε καὶ εὐκόσμος πέφυκε, τὸ αἰσθητὸν ἐπὶ  
 τοῦτο ἡ φύσις ἔτι φυλάττει, καὶ διὰ τούτων κίλιν τὸν ἥπατος ἐπὶ τὰ κώρτα μεταβιβάζει  
 καὶ τὰ κοίλη φλεβὶ συναίχεται. φρουρῶν τὸ ὁρῶν χῆμῳ, ἀναδιδόν ἔτι συναμλύνει  
 μικρὸν τι πρῶτον, ὡς χῆμὸς ἐπὶ τῷ λευκοῦ τῆς κοίλης φλεβὸς. τὸ μὲν ὁρῶ-  
 ντος τοῦ νεφροῦ καθαλύνει καὶ διακρίνει δίδωσιν, ὅσον δ' αἷματι πέφυκε διὰ τὴν  
 λευκοῦ, καὶ τὸ εὐδὲ χροῖσκει τῷ καρδίας τοῦ ἐφ' ἑαυτὸ φλεβί καὶ κατακρίβει  
 νον διαινεῖ. ὅθεν καὶ τὰ βαυδύτερα χροῖσκει ἐν τῷ τοῦ σώματος ὅσοι σαρκοῦ αἵματι-  
 ον κατὰ πᾶν, μικρὸν τὴν περὶ τὸν διακρίων ἐρυθρότητα. αἷμα δ' ἐφ' ἑαυτὸν μετακρί-  
 νει, ὑπὸ τῆς τῆς κοίτης οὗτω πέφκει φρουρῶν, ἐπὶ δ' ἡμὴν τοιοῦτα τῆς κοίτης  
 ἡ ἐφ' ἑαυτὸν πᾶν ἐρυθρότητα τὴν τοῦ αἵματος χροῖσκει μετακρίνει, καὶ οἷα ἡ τῆς σαρκὸς  
 ἐν τοῦτω γὰρ τὸ τέλος τῆς φύσεως, καὶ τῶν λοιπῶν τῶν ὁμοιομερῶν κατὰ τὴν κατὰ φύ-  
 ὄσον μὲν αἷματι, καὶ αἰρεφέντι ἐκείνου προςφύει δ' ὁμοιοῦς ἐκχωροῦνται, ἀρρήτοις οἰκο-  
 νομίαις φύσει. ἐπὶ δ' καὶ περὶ τὴν αἷμα ἐκείνου ἡ φύσις τῶν αἰρεθῶν διανοεῖται τῶν τοι-  
 αῦτων πέφκει τοῦτο λευκότερον καὶ αἷμα δέσπορον πέφυκε διὰ τῆς αἰσθητὸν οὗτω διαφω-  
 ριστὴν διακρίων, ὡς ἐκείνου τῶν αἰσθητῶν, αἷμα δ' ἐκείνου τῶν αἰσθητῶν καὶ τὸ δὲ  
 προσκαρδίων τῶν αἰσθητῶν.

πρὸ τῶν ἐρεῳκείας τῶν πύτων· ἀκρίνομένων πρὸ τοῦ μύτων·

ὁ δὲ τὸν ἀπὸ τοῦ αὐτοῦ.

παιδὸν ἔχον ἀρ' ἴσον καὶ ἱπποκράτην  
ὄρου τοῦ ἔργου



or 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

6

3 **Τ**ὸ δὲ οὐδὲν αὐτὰρ κεν τῶν σαρκευτικῶν ἐς τὴν καθόλου τῶν παιδῶν ἐπίστασιν·  
 αὐτοῖσι μὲν ἀρκούντι διαγινώσκοντι, καὶ προγινώσκοντι αἰρουμένῳ τῶν παιδῶν τὰ συμβαίνοντα,  
 οὐ μόνον οὐρῶν ἐπιστάτηδ' αὖ προσκείσθαι διαφορὰς, ὅπου καὶ αὐτὴν μόνον ἀρκεύειν δεῖ·  
 τῶν ἡγεμονίων παθὲν ἐπίστασιν, ἀλλὰ καὶ σφίσι μὲν αὐτῶν ἀπαυδαί, καὶ διαμαρματίζεσθαι  
 καλοῦσθαι, καὶ κινῶν ἀναπνεύειν, ἐλπίτε δέσιν προσώπου, καὶ τῶ πικρῶς κατεγγιγὼν σῆμα ἔχει,  
 καὶ αὐτὸς δὴ τὰς γλῶττις προσορᾷ, ἵνα τὸ οἶκον ἀμείους ἐπιγορησῶντος ἐκαστοῦ



40

οὗτοι τοίνυν ἔδωκεν αὐτοῖς οὐρανὸν ἐκφανέσθαι, καὶ ἑκάστην μὲν αὐτῶν ἐκείνην αὐτῶν ποιῆσαι τὴν χεῖρα, συμπλοκαῖς καὶ πύργοις, πολλὰ καὶ τῶν χειρῶν ἐπὶ ἀνακλινῶν μ.  
ἐν ἐσὶ μὲν τὴν κακίωτον διορίσαντες τὸ λόγῳ, ἐκ τούτων ὡς ἀποκρίναι ἀποκρίναι αὐτοῖς,  
καὶ τὴν λοιπὴν κατασκευάζειν χειρῶν, διορίσαντες τὸν λόγῳ ὁνομαστικῶς αὐτοῖς αὐτοῖς.  
Τῶν οὖν τοίνυν ταῦτα ἅπαντα αὐτοῖς, ταῖς πύργοις ταῖς βασιλείαις, ἑστῶσι δὲ ἐν ἑσέτι,  
ταῖς οὖν καὶ αὐτοῖς ἐπὶ τοῖς καὶ μὲν καὶ αὐτοῖς φαίνεται, οὐκ ἐν τοῖς τὴν καὶ  
τὴν ἀποκρίναι χειρῶν, αὐτῶν τῶν καὶ τὴν ἐκείνων καὶ πύργων, ὡς πύργων ἐν  
ταῖς ἀποκρίναι χειρῶν. τὴν οὖν αὐτῶν οὖν ταῖς ἀποκρίναι, ταῖς ἐκείνων  
ταῖς ὡς αὐτοῖς αὐτοῖς περὶ, καὶ ταῖς μὲν ἐκείνων αὐτῶν ἡ ἀποκρίναι, ἐκείνων  
ταῖς ἀποκρίναι, καὶ ταῖς οὖν ἐκείνων ταῖς ἀποκρίναι, ταῖς ἀποκρίναι ἐκείνων  
ταῖς ἀποκρίναι, ἐκείνων αὐτῶν ἀποκρίναι τὸν λόγῳ, καὶ οὗτοι αὐτοῖς ἀποκρίναι ἀποκρίναι  
ταῖς ἀποκρίναι, ἐκείνων τοίνυν τὴν αὐτοῖς ἀποκρίναι αὐτοῖς τὸ ἀποκρίναι οὕτως  
καὶ οὖν αὐτοῖς ἀποκρίναι ἀποκρίναι ἀποκρίναι, ἀποκρίναι μὲν αὐτῶν ἀποκρίναι, καὶ ἀποκρίναι  
αὐτοῖς αὐτοῖς ἀποκρίναι τὸν ἀποκρίναι, αὐτοῖς ἀποκρίναι αὐτοῖς ἀποκρίναι, ὡς αὐτοῖς  
ἀποκρίναι ἀποκρίναι τὸν ἀποκρίναι, καὶ ἀποκρίναι μὲν ἀποκρίναι αὐτοῖς αὐτοῖς

Te



ἀνέκτος ἔργον νομίζον

δυνατός ἐστι κίεμα· χαρῶν δὲ ἔκαστον καμύλιν ὑπὸ λαοῖς ἐπίσκι δόκειν, ἥ τοι ἄνδρα οὐκ ὡς καμύλιν λή-  
θω, ἀλλ' ἐπὶ δυνάμει βαρύνει τὰ οὐρα δέξασθαι τὸ πολὺ τῆς ἀπερίτης ἀπεθάρτα, ὅπως μὲν τὰ πρῶ-  
τα γίνεσθαι, προΐοντα δὲ καὶ ἄλλοι· ἀλλὰ τὰ μὲν, μέγιστον χιλιῶν ἑκατοῖς χιλιάδων, ἐκτετατὸν  
καὶ πᾶσι βούλοισι ἡδὺν βούλοισι, καὶ οἷον τὸ ἀπὸ τῆς ῥοῆς τοῦ θύου τοῦ καὶ περιεχόμενον ἑσπέρ-  
τος τοῦ οὐραίου καὶ τῶν χιλιῶν πολλὰ ἐκείνων, καὶ τοῦ τῆς ἡμέρας τοῦ οὐραίου, μὴ διαπερ-  
γέσθαι τὰ σιμῶντα τοῦ πλάτους· ἡμεῖν καὶ τὰς οὐκ ὡς καμύλιν ἡμέρας μέγιστον πε-  
τεπεκβόης χιμὸς ὁρῶνδ' ὑπὸ λαοῖς ποιήσας τὰ χιμῶντα, πλεον δὲ προσπεκβόων τῆς ἡμέρας,  
καὶ ἡμέρας τὰ χιμῶντα κατεστῶς, ἀφ' ὧν δὲ ἄλλοι προνομαδεύονται· ἐπὶ δὲ μὲν τοῖς πλάσι ἐπι-  
χρῶν βαρύνει τὴν ἡμέραν, τῆς πέρας προμερούς, τὰ ὑπὸ πύρρον τὸν οὐρανόν, αἰδὴ καὶ σὺ μὲν  
ὁ λόγος οὗτος κατεσκάδοντα, μὴ πᾶσι δὲ ἀνὰ πρὸς οὐρανὸν τὰ χιμῶντα, τὸ δὲ ἐπὶ τοῦ τοῦ οὐ-  
ρον πύρρον καμύλιν, καὶ ἡμέρας, καὶ καθαροῦ χιμῶντος ἐκείνῳ, μάδοις δὲ τὸν τοῦ τοῦ τοῦ  
τῶν πλουσίων ταμῶν, ἡμῖν πᾶσι χιμῶντος καθαροῦ κατεστῶν· ὑπὸ πύρρον μετὰ ταῦτα ἀνι-  
κῶ τὴν χροῖαν ἐκείνη· καὶ ἐκείνη οἱ πολλοὶ τὸ τοῦ οὐραίου κένον αἰδὸς οἴκεται, ὅπως ὡς  
ὕπο πύρρον οὗτος τὸ χροῖαν τοῦ αἰδὸς τοῦ οὐραίου, ὡς ἐκείνη δὲ σὺ λαοῖς ἐκείνη πρὶ ὑπὸ πύρ-  
ρον χιμῶντος· τὸ μὲν αἰδὸς χροῖαν, κατεστῶν τὴν πρὸς οὐρανὸν χροῖαν τοῦ οὐραίου  
χροῖαν, τοῖς ἐπὶ οὐρανὸν τοῖς δὲ ἐκείνη, τὰ τοῦ χιμῶντος αἰδὸς· ἀλλὰ μὴ τὴν πρὸς  
αἰδὸν πολλὴν δὲ ἐκείνη τὸ τοῦ οὐραίου τὸ χιμῶντος τὸν οὐρανὸν τὸ χροῖαν τοῦ οὐραίου· ἐκεί-  
νοι τὸν οὐρανὸν αἰδὸς πρὸς οὐρανὸν κατεστῶν, καὶ τὸ ἐκείνη τὸ χιμῶντος, πᾶσι δὲ τὸς  
φαινομένους αἰδὸς ἀνικῶ καὶ οὐρανὸν δὲ προσεχὲν χιμῶντος, ἐπὶ πολλὰ αἰδὸς ἀνικῶς τοῦ  
δυνάτος· ὑπὸ πύρρον γὰρ καὶ ἐκείνη τὴν οὐρανὸν χιμῶντος πρὸς οὐρανὸν, αἰδὸς τὸς ἐκείνη  
ὑπὸ πύρρον χιμῶντος· μετὰ ταῦτα τὸ ὑπὸ πύρρον, καὶ ἐκείνη τοῦ χιμῶντος πρὸς οὐρανὸν,  
οἷς δὲ αἰδὸς μὲν ἐκείνη καὶ τὸ φαινομένον καθαροῦ χιμῶντος χιμῶντος, τοῦ οὐραίου  
καὶ οὐρανὸν· μάδοις δὲ τὸν οὐρανὸν αἰδὸς βούλοισι, καὶ τὸ λαμνῶν σφραγίσθαι τὸ ὑπὸ πύρρον  
πρὸς οὐρανὸν· τὸ δὲ οὐρανὸν καὶ φαινομένον τοῦ χιμῶντος τὸν οὐρανὸν τὸς ἐκείνη πρὸς οὐρανὸν  
μὲν χιμῶντος, καὶ οὐρανὸν λαμνῶν καὶ μὲν, καὶ τὸ πρὸς οὐρανὸν, ὡς τὸ τὸ οὐρανὸν  
τῆς ἐπὶ οὐρανὸν καὶ τὸ πέρας, καὶ τὸ χιμῶντος δυνάτος δυνάτος· τὸ οὐρανὸν ἐπὶ τοῖς  
αἰδὸς τὸν οὐρανὸν οὐρανὸν οὐρανὸν ἐκείνη, καὶ οἷον περὶ οὐρανὸν τὸ χιμῶντος τὸ οὐρανὸν  
ἐκείνη δὲ τὸν οὐρανὸν λαμνῶν πολλὰ αἰδὸς μὲν ὑπὸ πύρρον αἰδὸς αἰδὸς οὐρανὸν  
πολλὰ αἰδὸς δὲ ἐπὶ οὐρανὸν τὸ οὐρανὸν αἰδὸς οὐρανὸν, τὸν οὐρανὸν τοῦ οὐρανὸν χιμῶντος λαμ-  
νῶν λαμνῶν, λαμνῶν γὰρ καὶ ἐκείνη τοῦ οὐρανὸν ὑπὸ πύρρον πολλὰ αἰδὸς αἰδὸς ἀπὸ ἐκείνην κατε-  
στῶν οὐρανὸν οἷς ἐπὶ οὐρανὸν αἰδὸς τὸ οὐρανὸν τοῦ χιμῶντος, ὡς τὸ τὸς μὲν αἰδὸς οἷς αἰ-  
δὸς τὸ οὐρανὸν μετὰ οὐρανὸν χιμῶντος, βραχὺ δὲ ὑπὸ πύρρον πολλὰ μὲν αἰδὸς· ἐπὶ οὐρανὸν τὸ  
χιμῶντος δυνάτος· τὸ μὲν αἰδὸς τοῦ χιμῶντος, ἐκείνη αἰδὸς μὲν οὐρανὸν γὰρ οὐρανὸν  
οὐρανὸν, μάδοις δὲ αἰδὸς οὐρανὸν, ὅδ' αἰδὸς ἐκείνη ὁ λόγος οὗτος· τοῦ δὲ πρὸς οὐρανὸν τοῦ οὐρανὸν, ἐπὶ  
οὐρανὸν αἰδὸς οὐρανὸν αἰδὸς τὸ τὸ, τὸ οὐρανὸν γὰρ αἰδὸς αἰδὸς οὐρανὸν αἰδὸς οὐρανὸν  
προσεχὲν αἰδὸς τὸ οὐρανὸν τοῦ χιμῶντος, καὶ τὸ τοῦ οὐρανὸν τὸς αἰδὸς, ὅδ' αἰδὸς αἰδὸς  
τὸ οὐρανὸν αἰδὸς αἰδὸς· ἐπὶ δὲ καὶ τὸ πρὸς οὐρανὸν χιμῶντος αἰδὸς αἰδὸς αἰδὸς, καὶ πρὸς  
τὸν οὐρανὸν νῦν καὶ αἰδὸς· τὸ οὐρανὸν αἰδὸς ἐπὶ οὐρανὸν οὐρανὸν αἰδὸς αἰδὸς αἰδὸς  
λαμνῶν καὶ αἰδὸς οὐρανὸν, ὅδ' αἰδὸς τὸ οὐρανὸν αἰδὸς αἰδὸς, ἡμῖν αἰδὸς, ἡ λαμνῶν

χρῶν·  
καμύλιν·  
καμύλιν·  
ὅδ' αἰδὸς

ὕπο πύρρον·  
πύρρον·

πρὸς οὐρανὸν·  
ἐκείνη

ὁρμῆς βούλοισι ἢ λαμνῶν σφραγίσθαι·  
ὕπο πύρρον·

αἰδὸς·  
σφραγίς· ὅδ' αἰδὸς

φαινομένον



XΛΕΡΟΝ

ἑλκεδονες.

πλῆθυνον.

ἡ δὲ ἀντιθέσις τῶν κατὰ τὸ χεῖμα συστάσε·  
 αἰ τοίνυν οὐρα τοῖς ἀκρίοις ἀντηρῶντα, πάντα μὲν μίανος δεῖ λεπταί φαινέ· δερμαὶ ἐπὶ οὐτά, τὸ γόφοι  
 φῦσιν δερμὸν ἐπιπαρατοῦν ἐπὶ οὐ καὶ τὸ χεῖμα συνένον τε καὶ παχύναντα· δόσαν δὲ τὴν ἡμισα-  
 μλήν προφασίν, τοῦ δερμοῦ δ' ἄρα διασπασαμένου, ὅτι μὲν αὐτὸν παχύνεται τὰ χεῖμα, ὡς δὲ βρα-  
 χεύς· ὡσπέρ τοι ἐτέρα παχία δόσανται, ὅτι δ' αὖ οὐ αἰσθητὰ μὲν· τὸν δὲ παχυνθέντα ὅτι  
 μὲν ἀκρίβηται, ὅτι δ' αὖ οὐ αἰσθητὰ παχία γέγονα ἀδύνατα μὲν· ἀγὰ τὸν μὲν τοιούτων  
 παχέων, τὸ μὲν μετρίως πάντῃ πεπαχύνεται, δολερὰ ὅν τ' ὀχρῶνται, τοῖ δ' ἐπὶ πλείον, τοῖ δ'  
 ἐπὶ πλῆστον, καὶ δεῖ καὶ τὸν ἐπὶ τοῖς τοῖς συνίεναι διαθορᾶν, τὸν δὲ δὴ καδίσταμλῶν τὰ μὲν  
 τὸ παχύτερον ἐπὶ τοῦ πυθνύνα ἐπισπασαζομένη καὶ ταῦτα ἐπὶ παχία μὲν· ἢ τ' ἐδολεμύνα, ὅ  
 καὶ οὐκ ἔστιν ἐλεπταί γένεσθαι τοῦ πάντος ἐπὶ τοῦ πυθνύνα τὰ χεῖμα χροῦστος, ὥστε δεῖ τοῖς  
 ἐπὶ τοῖς διαθορᾶ ἀκριβὲς ἐκμανδάνειν, οὐκ ὁλίγα συνοισσὺ τοῖς πρὸ διαγνώσει, καὶ







Ἡ δὲ ἀντίγραφος συγγραμμάτων τῶν παρὰ Φύλακων :

: Ποίση

Q. 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840, 841, 842, 843, 844, 845, 8

ὡς τοῖνυν ὑποτάσσων, χρυσίον γὰρ ὡς τοῖς τεθροῖν ἀνέμασιν, αἰμὴν τὸν αἰμακτοῦ καὶ τὴν θύγατ' ὅσον, οὕτως  
παντὶ ἀπέναντι τοῦ τοῦ αἰμῶτος πύδαλτος, οὗτω αὖ ἀφ' ἑαυτοῦ, αἰμὴν τὸν οἶον τε καὶ αἰμακτον ἀλλοι-  
πῇ ποῖον καὶ ὡς ἐπὶ τοῦ αἰμῶτος τοῦ ἰσίου, αἰμὴν γὰρ αὐτὸν προσέχοντα πρὸς τὸν πύδαλτον παντὶ, αἰ-  
μὴν βραχὺ τοῦ πύδαλτος, καὶ πλεον τοῦ προσέχοντος ὡς αὖ ἀφ' ἑαυτοῦ, φέρει ὡς πρὸς πύδαλτον τὸν







πρὸς τοὺς ἀδελφούς τε καὶ πρὸς τοὺς ἀδελφὰς, πρὸς τοὺς υἱοὺς τε, καὶ κληρὸν υἱὸν ἀποστόλου

$$\therefore \text{In } \odot$$

15 α τοκοιομαγὴ μὲν ἄν τις καὶ τῶν τοῦ ἀπολλωνίου θανά. ὡς ἵστε γὰρ καὶ τὰ τοῦ ποικίλου θανάτου, καὶ τότε μὲν οἷα τοῦ κρημνοῦ οἷον ἐκθέρεται ἵνα τοῖς πρῶτοις αἰσάνοις, ὅπως δὲ καὶ οἷα τῶ πέτυχε. ὥσπερ καὶ οἷα αἱ πελοπόννησος καὶ ὀροβοδίνος, ὅτε δὲ οἷα οἷον ἔχουσιν συνεπιθέρεται ἵνα τῶ πρῶτοις αἰσάνοις, καὶ οἷα αἱ μέγας καὶ μέγας, ὡς ἵστε γὰρ καὶ οἷον ἔχουσιν ὑπὲρ ἑξῆς βραχυτάτοις, καὶ τὰ τοῦ παύτος θ'. μέγας θανόντων, ἢ πλείον, ὅτι δὲ τῶν ἐκαστον βούληται ἵνα τοῖς ἰσίοις τοῖς τοῖς ἐξ ἑαυτοῦ, ὥσπερ καὶ τὰς αἰτίαι ἀποθνήσκουσιν ἵνα τοῖς παρὰ αἰτίαις οὐρανὸν ἴσως, καὶ δὲ ἑκάστην παρὰ τῶν νεοφωτῶν τῶ ἑκάστης::

[illegible]

2. *αἰσχρολογία*











ἡ ἐκείνη

πο, ς ια: ουε και α: ιβ: ουε ε: ουε ιου: ου

17  
 18  
 19  
 20  
 21  
 22  
 23  
 24  
 25  
 26  
 27  
 28  
 29  
 30  
 31  
 32  
 33  
 34  
 35  
 36  
 37  
 38  
 39  
 40  
 41  
 42  
 43  
 44  
 45  
 46  
 47  
 48  
 49  
 50  
 51  
 52  
 53  
 54  
 55  
 56  
 57  
 58  
 59  
 60  
 61  
 62  
 63  
 64  
 65  
 66  
 67  
 68  
 69  
 70  
 71  
 72  
 73  
 74  
 75  
 76  
 77  
 78  
 79  
 80  
 81  
 82  
 83  
 84  
 85  
 86  
 87  
 88  
 89  
 90  
 91  
 92  
 93  
 94  
 95  
 96  
 97  
 98  
 99  
 100  
 101  
 102  
 103  
 104  
 105  
 106  
 107  
 108  
 109  
 110  
 111  
 112  
 113  
 114  
 115  
 116  
 117  
 118  
 119  
 120  
 121  
 122  
 123  
 124  
 125  
 126  
 127  
 128  
 129  
 130  
 131  
 132  
 133  
 134  
 135  
 136  
 137  
 138  
 139  
 140  
 141  
 142  
 143  
 144  
 145  
 146  
 147  
 148  
 149  
 150  
 151  
 152  
 153  
 154  
 155  
 156  
 157  
 158  
 159  
 160  
 161  
 162  
 163  
 164  
 165  
 166  
 167  
 168  
 169  
 170  
 171  
 172  
 173  
 174  
 175  
 176  
 177  
 178  
 179  
 180  
 181  
 182  
 183  
 184  
 185  
 186  
 187  
 188  
 189  
 190  
 191  
 192  
 193  
 194  
 195  
 196  
 197  
 198  
 199  
 200  
 201  
 202  
 203  
 204  
 205  
 206  
 207  
 208  
 209  
 210  
 211  
 212  
 213  
 214  
 215  
 216  
 217  
 218  
 219  
 220  
 221  
 222  
 223  
 224  
 225  
 226  
 227  
 228  
 229  
 230  
 231  
 232  
 233  
 234  
 235  
 236  
 237  
 238  
 239  
 240  
 241  
 242  
 243  
 244  
 245  
 246  
 247  
 248  
 249  
 250  
 251  
 252  
 253  
 254  
 255  
 256  
 257  
 258  
 259  
 260  
 261  
 262  
 263  
 264  
 265  
 266  
 267  
 268  
 269  
 270  
 271  
 272  
 273  
 274  
 275  
 276  
 277  
 278  
 279  
 280  
 281  
 282  
 283  
 284  
 285  
 286  
 287  
 288  
 289  
 290  
 291  
 292  
 293  
 294  
 295  
 296  
 297  
 298  
 299  
 300  
 301  
 302  
 303  
 304  
 305  
 306  
 307  
 308  
 309  
 310  
 311  
 312  
 313  
 314  
 315  
 316  
 317  
 318  
 319  
 320  
 321  
 322  
 323  
 324  
 325  
 326  
 327  
 328  
 329  
 330  
 331  
 332  
 333  
 334  
 335  
 336  
 337  
 338  
 339  
 340  
 341  
 342  
 343  
 344  
 345  
 346  
 347  
 348  
 349  
 350  
 351  
 352  
 353  
 354  
 355  
 356  
 357  
 358  
 359  
 360  
 361  
 362  
 363  
 364  
 365  
 366  
 367  
 368  
 369  
 370  
 371  
 372  
 373  
 374  
 375  
 376  
 377  
 378  
 379  
 380  
 381  
 382  
 383  
 384  
 385  
 386  
 387  
 388  
 389  
 390  
 391  
 392  
 393  
 394  
 395  
 396  
 397  
 398  
 399  
 400  
 401  
 402  
 403  
 404  
 405  
 406  
 407  
 408  
 409  
 410  
 411  
 412  
 413  
 414  
 415  
 416  
 417  
 418  
 419  
 420  
 421  
 422  
 423  
 424  
 425  
 426  
 427  
 428  
 429  
 430  
 431  
 432  
 433  
 434  
 435  
 436  
 437  
 438  
 439  
 440  
 441  
 442  
 443  
 444  
 445  
 446  
 447  
 448  
 449  
 450  
 451  
 452  
 453  
 454  
 455  
 456  
 457  
 458  
 459  
 460  
 461  
 462  
 463  
 464  
 465  
 466  
 467  
 468  
 469  
 470  
 471  
 472  
 473  
 474  
 475  
 476  
 477  
 478  
 479  
 480  
 481  
 482  
 483  
 484  
 485  
 486  
 487  
 488  
 489  
 490  
 491  
 492  
 493  
 494  
 495  
 496  
 497  
 498  
 499  
 500  
 501  
 502  
 503  
 504  
 505  
 506  
 507  
 508  
 509  
 510  
 511  
 512  
 513  
 514  
 515  
 516  
 517  
 518  
 519  
 520  
 521  
 522  
 523  
 524  
 525  
 526  
 527  
 528  
 529  
 530  
 531  
 532  
 533  
 534  
 535  
 536  
 537  
 538



— Παναγιώτατο : ἡ Τεράσιον Δοξολογία, παρὰ οὐρανῶν

α. περί διαφθορᾶς ἀμίδων ἐν ᾧ καὶ περὶ τῆς κοσμίης ἐπὶ ταύταις :-  
β. περί ἀρχαῖου τοῦτου ἐν ᾧ δὲ τὰς τῶν οὐρῶν ἐπισημαίνει πρὸς δόξαν :-  
γ. περί χροῦ καὶ οὐκ ἀποδείκνυται τὰ οὐρα ἐπισημαίνει πρὸς δόξαν :-  
δ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ πόλιν συνηθέως οὐρῶν :-  
ε. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὰς πόλιν καὶ ἐκείνους οὐρῶν :-  
ς. Διὰ τῶν τῶν κατὰ τὰς πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ζ. Διὰ τῶν τῶν κατὰ τὰς πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
η. Διὰ τῶν τῶν κατὰ τὰς πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
θ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ι. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ιβ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ιγ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ιδ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ιε. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ισ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ις. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ιγ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ιδ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ιε. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ισ. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-  
ις. περί διαγωγῆς τῶν κατὰ τὴν πόλιν καὶ οὐκ ἐπὶ οὐρῶν :-

ΚΡΟΟΙΛΙΟΥ : ~

[illegible]







πορὶ ἀγνωστῶς τοῖς κατὰ πάντα σὺνκέβρον ὄρου

πρὸς σταθμῶς τῶν καὶ πλεον, καὶ ἡλικίας οὐκ

Καὶ ἂν ποτὶ τοὺς αὐτοὺς τοὺς ἡμιτίους καὶ ἑλν, καὶ θύοιαι τινος ἀνταρτίας, καὶ ἵμνουν<sup>α</sup>







Τὸ ἐν γαστήρῳ ἔστιν ὅθεν δὲ οὐκ ἐστὶν πρόσδεστος περὶ τοιούτων οὐρῶν φάναι. τοῖς μὲν ἄρσενι καὶ ἡσυχόν  
εἶναι ἔχον. τὰ δὲ οὐρὰ πρὸς τὸ λεκόν χωρὶς αὐτῶν, αἰδ' ὑποστάντες πλείους εἰν' ὀφθαλμοῖς καὶ παρὰ τὴν αἰσθησιν.  
τοῖς μὲν ἄρσενι τὸ δὲ ἄρ' ὅπως ἔχει: - -

Διαγνώσις τῶν κατὰ τοὺς ὠρούς καὶ χύρας οὐρῶν:

**Π**ρὸς δὲ τῶν κατὰ τοὺς ὠρούς καὶ χύρας μεταβολῆς ἐπὶ φανερῶν δις αὐτοῖς οὐρῶν. ὡς δὲ αὐτὰ φανερὰ προ-  
κιν. ἔσχατος τοίνυν ὅπου οὐκ ἔστιν ὁ αἰσθητός πρὸς τὴν ἐπὶ τὸ δεξιότερον τὴν χύραν τῶν οὐρῶν τὴν ὑπερβυνέ  
ὠρὸν αἰσθητὴν πρὸς τὸ ὑποπύρρον χωρὶς καὶ ὑποφάρδον, καὶ τὴν αἰσθητὴν φανερὰν τὴν οὐρῶν οὐκ αἰ-  
σθητὴν πρὸς τὸ κατὰ φάρδον ἢ ὑπερβυνέ. αἰδ' ὑποστάντες τοῖς αὖτ' ὑποπύρρον ἔστιν, λεπτὴν δὲ τὴν οὐρῶν  
καὶ πρὸς τὸ σύμμετρον χωρὶς. τὴν μὲν πρὸς τὴν χύραν, καὶ πλείους τὴν ἐξ ἀναγομένης τὴν χύραν αἰδ' ἐπὶ  
τὴν δεξιάν, μὲν ὅθεν ἄρσενι πρὸς τὸ τυχρότερον, ὑποπύρρον καὶ ὑποφάρδον οὐρὰ φανερὰ, καὶ οὐκ  
μετὰ τῶν οὐρῶν. αἰδ' ὑποστάντες ὅθεν τοῖς αὖτ' ἔστιν καὶ λεπτὴν ὑπερβυνέ φανερὰν τὴν οὐρῶν. ἔστι  
λεκὸν καὶ λεκὸν καὶ ὁμοῦ τυχάνουσαι. προῖόντος δὲ τὸ τυχρότερον καὶ πρὸς τὸ αἰσθητὸν ὅθεν χωρὶς  
μετὰ τὴν ἐξ ἀναγομένης λεκὸν τὴν οὐρῶν φανερὰ. αἰδ' ὑποστάντες τοῖς αὖτ' ἔστιν καὶ λεπτὴν ὑπερβυνέ, καὶ τὴν  
κατὰ φάρδον λεκὸν πρὸς τὸ ὑποπύρρον χωρὶς μόνον πολλὰ καὶ λεπτὴν φανερὰν. λεπτὴν δὲ ἡ  
τῶν ἐπὶ λεκτῇ τῶν οὐρῶν εἰσπύρρον. ἡ δὲ καὶ αἰδ' ὑπερβυνέ τὸ φανερὸν τὸ ὑποπύρρον καὶ πύρρον. ὅπου τὴν μὲν τὸ  
φανερὸν ἔστι, τὴν μὲν χύραν ὅθεν αἰδ' ὑπερβυνέ πρὸς τὸ σύμμετρον, αἰδ' εἰσπύρρον ἔστι, καὶ πρὸς τὴν  
τοῖς ὑπερβυνέ μὲν, αἰδ' ὑποστάντες αἰσθητὴν μὲν ἔστι καὶ βραχὺ. λεκὸν δὲ καὶ λεκὸν, καὶ ὁμοῦ προῖόντος  
δὲ τὸ φανερὸν πρὸς τὸ κατὰ πάντῃ σύμμετρον χωρὶς τὴν οὐρῶν. πρὸς δὲ χύραν ὅθεν τὸ ἡσυχόν γε-  
γονότος, καὶ μὲν τὸ πρὸς ἀναγομένης οὐκ ἀναδιδόναι τὴν οὐρῶν. τὴν δὲ χύραν τοῖς ἐπὶ τὴν οὐρῶν  
πρὸς τὸ λεκόν τὴν χύραν. αἰδ' ὑποστάντες πλείους καὶ ἔστι σύμμετρον κατὰ τὴν αἰσθησιν. προῖόντος δὲ  
τὸ χύραν αἰδ' ὑποστάντες ἀνέμωσι φανερὰν, καὶ λεκὸν τὴν χύραν ὅθεν, τὴν δὲ πρὸς τὴν χύραν  
καὶ πλείους τὴν ἐξ ἀναγομένης, πρὸς τὴν οὐρῶν τὴν οὐρῶν αἰδ' ὑπερβυνέ. ἐπὶ δὲ τὴν οὐρῶν εἰσπύ-  
ρρον ὅθεν αἰδ' ὑπερβυνέ καὶ χύραν ἐπὶ τὴν οὐρῶν πρὸς τὸ σύμμετρον. καὶ πρὸς τὴν οὐρῶν κατὰ τοὺς ὠρούς ἐπὶ  
φανερῶν οὐρῶν μὲν ὅθεν ὅθεν. τὰ δὲ κατὰ τοὺς χύρας ἀναγομένης ἔχει τὴν οὐρῶν. καὶ ὅθεν  
συνετὸν πρὸς τὴν οὐρῶν. αἰδ' ὑπερβυνέ τὴν οὐρῶν φανερὰν, καὶ τὴν ἐπὶ τὴν οὐρῶν οὐρῶν τὴν  
τοῖς τῶν οὐρῶν ἀναγομένης, πρὸς δὲ καὶ δίδωται δεξιότερον ἢ τυχρότερον. καὶ ἐπὶ τὴν οὐρῶν  
ἢ ὑπερβυνέ τοῖς αὖτ' οὐρῶν τὴν οὐρῶν ποιῶσιν, οἷον καὶ αἰδ' ὑπερβυνέ δεξιότερον. λεπτὴν δὲ καὶ  
χύραν πρὸς τὴν οὐρῶν τοῖς αὖτ' οὐρῶν ποιῶσιν, οἷον καὶ αἰδ' ὑπερβυνέ τὴν οὐρῶν μὲν. δὲ -  
πρὸς δὲ καὶ καὶ χύραν ἀνέμωσι μὲν τὴν χύραν καὶ λεκτῇ, καὶ πρὸς τὴν οὐρῶν τοῖς ἀνέμωσι παν-  
τοῖς, καὶ μὲν καὶ δίδωται τῶν οὐρῶν τὴν ἐπὶ τὴν οὐρῶν οἷον, πλείους δὲ καὶ οὐχ ὅμοια εἶναι  
τοῖς δὲ τὴν οὐρῶν καὶ τὴν οὐρῶν οἷον. καὶ πρὸς τὴν οὐρῶν κατὰ τοὺς ὠρούς τὴν οὐρῶν δεξιό-  
στας τὴν χύραν καὶ ὠρούς φανερῶν οὐρῶν ἑκάνωσιν αἰδ' ὑπερβυνέ τὴν οὐρῶν δεξιόστας: - -

Διαγνώσις τῶν κατὰ τοὺς ὠρούς καὶ ἀρσενίους οὐρῶν:

**Π**ρὸς δὲ τῶν κατὰ τοὺς ὠρούς καὶ ἀρσενίους οὐρῶν. τὴν μὲν χύραν πρὸς τὸ λεκόν αἰσθητὴν  
τὴν δὲ οὐρῶν ὅθεν τὸ ὑποπύρρον καὶ πύρρον. τὴν δὲ πρὸς τὴν οὐρῶν τὴν οὐρῶν καὶ ὠρούς. τὴν δὲ οὐρῶν  
ὕπερ τὴν ὑπερβυνέ λεκτῇ, ὅθεν πρὸς τὴν οὐρῶν πρὸς τὸ σύμμετρον πρὸς τὴν οὐρῶν δὲ τὴν οὐρῶν  
τὴν καὶ αἰσθητὴν πεπενην. ἀρσενίους δὲ οὐρῶν οὐρῶν τὴν οὐρῶν βραχὺ τὴν οὐρῶν αἰσθητὴν  
δίδωται, πεπονην δὲ ὅθεν αἰδ' ὑπερβυνέ τὴν οὐρῶν αἰσθητὴν, τὸ τὴν οὐρῶν αἰσθητὴν βραχὺ τὴν οὐρῶν αἰσθητὴν, τὴν  
οὐρῶν καὶ τὴν χύραν, καὶ τὴν πρὸς τὴν οὐρῶν. προῖόντος δὲ τὴν οὐρῶν δεξιόστας καὶ ἔστι τὴν οὐρῶν







ον' ἐπὶ ἐκπαίδευσιν τῶν Ἀθηνῶν ὄντων

65







÷ Quivito

• πορτοκαλί κίονων ούρων:

100

÷ βούλιε

÷ Tetüfunda



— 47 —

89

·Τῶν

Quintus

107











ἀπὸ τοῦ ἐν τῷ κατὰ τὰ οὐρανοὺς οὐρανοῦ

ស័ន្ទធម៌

÷ τον λόγον







÷ Βικτε'φας

ἐπὶ τοῖς αὐτοῖς βασιλεῦσι τοῖς ῥωμαίοις καὶ αἰγυπτίοις ἀφ' ὁρισμένων χρόνων

10

αἱ τοίνυν ἀνέδροι καὶ ἐνέδροι τῶν πρὸ Φιλοφύλων ἀπὸ τῶν μελῶν τινος ἀμυνέου τοῦ φίλου πέντε διὰ  
αἰματὸς ἐκβολῆν ὄντας μέγιστα δὲ καὶ ἴσως αἰνέδναι, πάλαι μὲν γὰρ τὸν ἐνδύσαν πρὸ Φιλοφύλων οὐχ  
ἔπλεον ἀπέκλειε τῇ ποσότητι ἢ τῇ ποιότητι. ταῦτα δὲ τῇ ποσότητι μόνον τὸν δυνάμειν αὐτῶν ἴσως ἀδύνατον  
ὦν διὰ τὰ φραγμοσύνων ἑαδὼς πρὸς αὐτὴν ἢ δυνάμεις ἐπὶ ἐπιμέλειαν :

πὶ δὲ τοῖσι αἰ φαινοὶ τὸν ὑποστάσεων φαίνονται, αἱ γὰρ καὶ τὸν ἐκτὸς πρὸς αὐτὸν  
 τὸν αἰθέρα δὲ τὸ πλεονάζον καὶ μὲναι, καὶ γὰρ καὶ κατεργάσθαι ὅπως τὸν αἰματικὸν χυμὸν  
 σηκάνουσιν, ἀλλὰ καὶ δὴ καὶ πᾶσι τοῖσι αἰσθητοῖσι τῆς διανοίας τοῦτο γίνεται αἰσθητὸν ἐν τοῖσι δόξαι  
 καὶ φέροι ἐν τοῖσι οὗτοι χυμοὶ καὶ τὸν αἰθέρα εἰς αἰσθητὸν οὐκ ὀλίγον. ἴδὲ δὴ αὐτὴ τῆς φύσεως διάνοι-  
 μως αἰσθητὸν καὶ αἰσθητὸν αἰσθητὸν, τοῦτο τὸν ἐκτὸς καὶ αἰσθητὸν καὶ αἰσθητὸν τὸν ἐκ-  
 τὸν αἰθέρα, τὸν αἰθέρα ἐκτὸς αἰσθητὸν. ἀπολύει δὲ τοῖς καὶ τὸν αἰθέρα καὶ τὸν αἰθέρα, αἰσθητὸν







πρὸς τὴν ἐν τῶν συκοφαντικῶν πρὸς Φίλωνος ἀγνώσεως: -

60

Ἀ πρὸ τῆς ὡς τὴν κατὰ Ἀπόστολον καὶ ἱερογνώμωνων πρὸ Φιλαλήων διαγωγῆς  
 ἑξήτοις καὶ σωζώων μενοῦντων πᾶσι τὴν παρὰ Φιλαλήων οὐδὲν τι νεώτερον ἐπιμελεῖσθαι δεῖται  
 τοῦτο. Τραχυμέλων δὲ καὶ οἷον διασκαδαδεύων, οὐκ ὀλίγη τὸ ταραχὴν τε καὶ αἰετῶν τῶν βλάδων μελῶν  
 τοῦ σώματος ὑπὸ τίνος νόσου καὶ βλαβῆς πνεύματος, ὅθεν διακινῆσθαι τοῦτο τὴν ἔχον διαλείμματα κατὰ  
 τὴν τοῦ πνεύματος δυνάμει ἐφοδρῆται, ὡς ὠτίζων συμβαίνει καὶ ὅπου ὅθεν ἔρχεται ἄντι τῆς πᾶσι  
 εἰμὼν συμπεπλημένων τοῖς πρὸ Φιλαλήων προῦτοι πρόστα τοῦ σώματος ἐξουσίαν τῆ βίαι τοῦ πνεύ-  
 ματος τῆ τῆς παχυμῆτος ἔλκευ σκοπεῖται, οὐκ ὀλίγη οὐδὲν ἀγρυπνῶντος γίνεσθαι, καὶ ἀφ' οὗτος  
 τοῖς ἀνομοιοῦσιν τοῖς πρὸ Φιλαλήων ἐποστάσει πεπληροῦνται καὶ ἡ τοῦ σώματος οὐδὲν ὁρᾶται.







+ παρὶς ὁν-αι

201 *πορίτης ἐν τῇ ἐκπορεύσει τοῦ φανερῶς*

ἰ. **Ε** πὶ γὰρ ποτε καὶ διαπίπτουσι τὰ ἡμέτερα πρὸ τῆν θεοῶν διαβαίνεται τῆς αἰνέσεως τοῦ παντός















ἰσχυρῶς ἐκείνῳ ἀντίθετος καὶ νόθου πύρετος:-

Δι' ἧν αἰτίαν τεταρταί, καὶ νότον πίπτει:

ὄντα :- Διαγνωθῆς ἐμφυριζόντων πύρετων :-

Οὐδὲ δὲ ἐν τούτῳ λαοῦ θάψον, ἀλλ' ἐν τῷ ἑσπέρῳ, ἀποταύτε αὐτοὺς καὶ ταχὺ ἐπιβάντες πρὸς τὴν πόλιν αὐτῶν. Τὴν























[illegible]



[illegible]



: 24. 1000

[illegible][illegible]







28 ἡ πρὸς αὐτὰς οὐρανὸν οὐρανῶν:

Admission plus

:  $\sqrt{A} \approx 0.408$







παρ' ἡμῶν ὡν καὶ ἐὰν οὐρα οὐρανῶν

ὅσων τοῖνυν οὐσούν ταῦν δραχμικῶν τε καὶ ποικιλικῶν ποιότητων. ὁσὼν δ' αὖ τοῦν παλαιτικῶν, ἐ  
 θεῶκασι τῶν, ἢ τοι ἐπίματτον, ἢ ἐπίματτελὴν πᾶσαπέφτε ἐἀπεφά γίνεσθαι. ἐφ' αὖτ' ἀλλοτ-  
 ρί ἐ τὸν σῶστασιν τὰ ἴσα σωματίζοντα. πεφτε γὰρ τοι καὶ τὸν ἔχοντα φιλοσόφον τελευτῶνς ὑπὸ  
 τῷ θυῶκαυ ἐ οἰκίᾳ, δευκοῦ ἐα τὸν ἀντικυλινῶν παλαιτικῶν, ταῦτα δ' ἔστιν ὁ οἰκία ἢ ἐκάστῳ ὕλη  
 ὅταν γὰρ πεφθῇ τὸ λόν μέρμε. ἐ' ἡ ἀρχὴ τῆς τελευτῶσεως ὑπὸ δευκοῦ τῆτος οἰκίᾳ σὺμβῶν, καὶ  
 δεκάτινος τὸν αὐτοῦ βουδῶνς σωματτελῶν. τὸ δ' ἐτελοῦ το οἰκόν τι ἐ' ἐρίσων ἔδδς τὸ ἡμεταμαχῶ.







ἡμεῖς οὖν ἀδελφοὶ ἐν  
 ἀγαπῇ καὶ ἐκκοινωνίᾳ  
 ἡμῶν τοῦ Ἀποστόλου καὶ  
 τοῦ







ον παρ' ἡμῶν ἰὼν εὐχόμεν ἐκείρην ἀπολαύον τρυφισμάτων

i koh s no vngt lapt d  
 m o t o r p l u n e l l e c o n i c a -  
 r a d e . 9 4

: Bonitäts- und

[illegible]

οὐ γὰρ φαίνεται· ὁ πρὸ αὐτῆς οὐρανὸν ἐκείνην ἀνέλαυνον πρὸ ὅτου δούρ.

80 ρηνύει δὲ μὲν ἐπεὶ οὐκ ἔμελλεν ἀποθανεῖν, ὡς δὲ νῦν οὖν τοῦτο συνέβη, ὅτι  
τοιοῦτο γὰρ ἔδοξε οὐκ ἀποθανεῖν, ἢ δὲ τὸν μέγιστον χρόνον ἐκείνῳ παρὰ τὸν ἀνθρώπον  
ζῶντα ὑπὸ τοῦτο ἐπὶ τοῖς οὐρανοῖς πρὸς τὴν ἀθανάτην ἢ δὲ τὸν νεκρὸν τὸ ἐμμελὲς αἶμα ἐ



1. Исправ-

24

1874



22

— *amputation*















21. ἡ ἀπορία πλεονάζει τὸν νοῦν ἀνθρώπων.

1. Thon

στο κατάστημα

1. Kautz

1. *σὺ δὲ βούλει καὶ το-  
ποθετῆσαι τὴν ἐκκλησίαν, καί-  
νιστοιγετὸ λαὸν προβαί-  
ναι ἐκείνην*

καὶ δὲ τὰ δάκρυά τ' αὖτις ἐκτεταγμένα πρὸ φθισμένων ἐοικέν τινας ἐπιπυκνῶσαι τοὺς ἔρπον-  
 πομφολύγους διὰ τὴν πύκνωσιν γίνονται νεύον. προσέειπεν ἔπειτα ἐπὶ τοῖς τοῖς ἀποδυνάμεισιν, εὐδυνάμειον  
 χρῆναι μενεσθαι, ὥς ἐστι τὰ αὐτὰ ἀφ' ὧν τὸν πνεύματος, ἐστὶ αὖ αὐτὰ ποιοῦντες. τὰ μὲν γὰρ πλεονάζοντα  
 δαῖτα ἐλάττω, καὶ τὰ μὲν λεπτότερα τὰ δαῖτα παχύτερα, καὶ τὰ μὲν ἴστων ὑγρότα τὰ δαῖτα, θερμά, καὶ ἡ  
 προσεπιμεινῶν τὰ τὰ χρωρὸν. τὰ μὲν ἔσται πολλὰ, καὶ παχέα καὶ ὑγρὰ καὶ ἕτερα δ' ὀλίγα καὶ παχέα καὶ  
 θερμά. ἔπειτα μὲν ἐπὶ διακρίσει τὸν ὅλον τὰ τε πολλὰ ἐπὶ δὲ τοῖς καὶ ὀλίγα μέτρα καὶ ὀρίσκει αὐτοῖς  
 ἐπὶ δαῖτα, τὰ τε παχέα καὶ λεπτά, καὶ πρὸς ἴστωι τὰ τε θερμά καὶ ὑγρότα πολλὰ καὶ ἄν' ἔρπον συμπτέ-  
 κων διαφοράν τὸν ὅλον, ὥς ἐστι καὶ ποικυλμένος ἐν τῷ δυνάμει ἐπὶ τῷ πρὸ φθισμένων μὴ τὸν  
 οὐκ ὄντος ἴστων τὸν ὅλον, καὶ τὰς ἐπὶ τοῖς διαφοράν τὸν πομφολύγους γινώσκον αὐτὰς αἰτίας. τὰ μὲν οὖν  
 παχύτερα τὸν πνεύματος τοῦ πομφολύγου, ἐπὶ φθίνεσθαι μεμῶνεν τὰ δὲ λεπτότερα τοῦ πομφολύγου  
 πρὸ φθισμένων διασκεδασθῆναι. ὥσπερ καὶ αὐτὸς τὸν ἴστων τοῦ πομφολύγου ἀναγορεύει

ἡ τὰ ἄνω πάντα τε ἐπεχού  
 κ' ἰσχυροὶ, οὐκ ἀδύνατοι  
 ἐπεχού ἐκ τούτων







[illegible]

τοῦτο αὐτῶν ἵνα ἐλεησώμεν καὶ ἡμῶν ἐν τοῖς ἁγίοις

[illegible]

τοῖς αὐτοῖς ἴδις ἐν οὖν υποδείξει ἔργων:

**Τ**οιούτω και ἐξελθὼν ἀπετίω ἐν πύλαις τῶν οὐρῶν θρονιάσθαι, τοί αὐτοὶ ἀλλ' ἔτι τοῖ μὴ πεπρωμένοι  
ἔτι οὐκ ἐπὶ θronῶν γίνεται, συνεπιμνησθέντες τοῦ γράματος, ἐν οὐρανῷ. ἐπὶ γὰρ τοῖς πᾶσι  
σήμερον δεδωκεται περίτμησιν τὸ σῆμα πέψω, δεύτω αὐτοὶ ἐφ' ἃς τὴν ἐπὶ τῶν πέψιν ὑ-  
πόστασιν δαδῶν. ὅπως γὰρ πέψιν ἔλας καὶ περίτμησιν τῶν ἀποκριθῶν γίνεται, ἐξ ὧν ἐν καὶ





• συνιόντας

*ἐρίβ' ἔλιν κατὰ τοὺς ἀπλοῦς τις κρυσταλλοὺς ἐπιτελεσθεὶς μεταβολὰν ἐκ οὐροισι ὡδάν' εἴη*











ΑΝΤΙΣΤΑΣΗ

.1-πΛδω











πρὸς αὐτὸς τῶν καὶ τοῦ ἐπιτακτοῦ ἀμφοτέρων αὐτῶν

ον· κρητις αληθεω των κατω τοις τεταρτοις ουρων :

**Τ**ελευταίως τοίνυν ἀπὸ αὐτοῦ καὶ τῶν ἀρχαίων ἀποστόλων τῆς ἐκείνου λεκτικῆς λαλῆ-  
σεως ἀρχαία τὰ ὄντα διαφανεύει τὸ χρόνον δὲ προϊόντος τοὺς ἐκείνου καὶ τῶν κληρικών αὐτοῦ  
καὶ ὡς ἀνέβη τὸ τοιοῦτον πρὸς τὴν ἀποστολὴν καὶ ποτε διότι οὐκ ἀποδοῦναι τὸ χρέος τοὺς διὰ τὸν  
πρὸς τὸν σὸν ἐχούσας ἐπίστον λεκτικῶν καὶ τῶν ἀποστόλων κληρικών καὶ λεκτικῶν προσβοῶν  
πρὸς τὴν ἐκείνου κληρικών τοῦ παιδὸς ὥστε γεννῆ καὶ αὐτὸν φανεύει τὸ τοιοῦτον καὶ τὸν χρόνον

















[illegible]

5

: Alaska





κατὰ τὰς αἰτίας ἐκ τῶν ἐκτελέσεων καὶ ἐκτελέσεων οὐκ ἐκ προνοίας:

32<sup>th</sup> June





2.  $\mu\alpha\delta\epsilon\upsilon$

2

1891

[illegible]

















·1· 𐭪𐭫𐭮𐭲

f. A. in v. 20

65











πορὶ τῶν αὐτῶν ἐπιστολῶν πῦρίτων ἔργων προηγήσῃς :- :-

καὶ ἀποφασίζω τὴν ἀποδοχὴν τῆς ἀποδοχῆς οὐρανῶν :: ::

 $\frac{1}{2}$  of trip 18











66

10

Tropica  
: Gen

100













Λυσίτηδ' οὐκ ἐπὶ πρῶτον ἀδραπέων τῶν ἐπαυνοῦσιν αὐτοῦ καὶ  
οἱ, τῶν δὲ πάντων μὲν ἐν τοῖς ποταμοῖς καὶ ἐν τοῖς ἑσπέραις καὶ ἐν τοῖς  
νεκρῶν καὶ ἐν τοῖς ζωντοῖς καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς  
παισὶν τοῖς καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς παισὶν καὶ ἐν τοῖς  
καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς παισὶν καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις

καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς παισὶν καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις  
καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς παισὶν καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις  
καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς παισὶν καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις  
καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς παισὶν καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις  
καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς παισὶν καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις  
καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις καὶ ἐν τοῖς παισὶν καὶ ἐν τοῖς ἀνθρώποις

Τέλος τῆς ὁδοῦ καὶ τῆς ἀποστολῆς τῶν ἀποστόλων καὶ τῶν μαρτύρων:

Τέλος τῆς ὁδοῦ καὶ τῆς ἀποστολῆς τῶν ἀποστόλων καὶ τῶν μαρτύρων:





